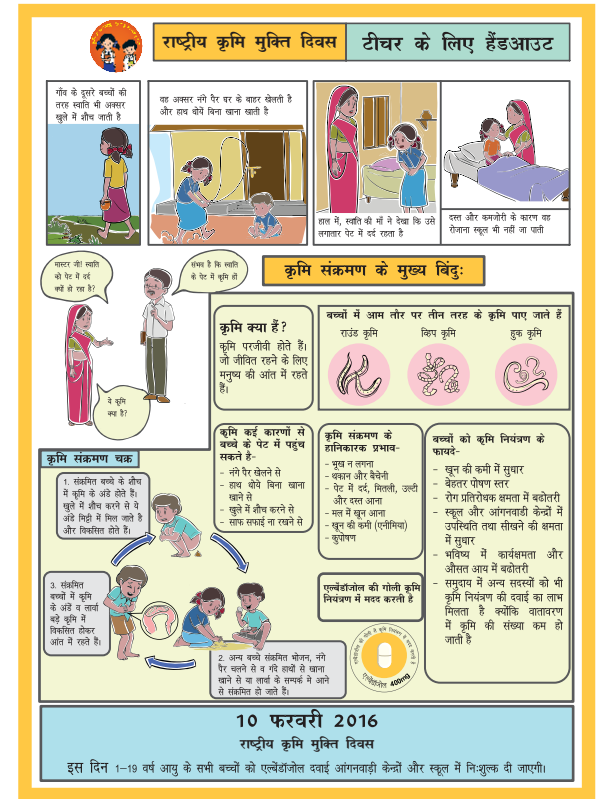


10 सितम्बर 2016



प्रशिक्षक के लिए निर्देश

- यह फ्लिपचार्ट पढ़कर और प्रशिक्षक के नोट्स विस्तारपूर्वक समझकर प्रशिक्षण सत्र की पहले से तैयारी करें।
- प्रशिक्षण शुरू होने से पहले, टीचर को हैंडआउट बांट दें। सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण के समय हैंडआउट को भी समझाएं।
- प्रशिक्षण में हैंडआउट के साथ जुड़े रिपोर्टिंग फॉर्म और दिशा निर्देश विस्तार में समझायें।
- आपको फ्लिपचार्ट में दी गई 10 महत्वपूर्ण जानकारी प्रशिक्षण में ज़रूर शामिल करनी है। इन में से कोई भी जानकारी न छोड़ें। इस फ्लिपचार्ट में प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) के लिए एक चित्र और प्रशिक्षक के लिए नोट्स दिए गए हैं।
- प्रशिक्षण बातचीत के माध्यम से करें, और सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) सीख रहे हैं।



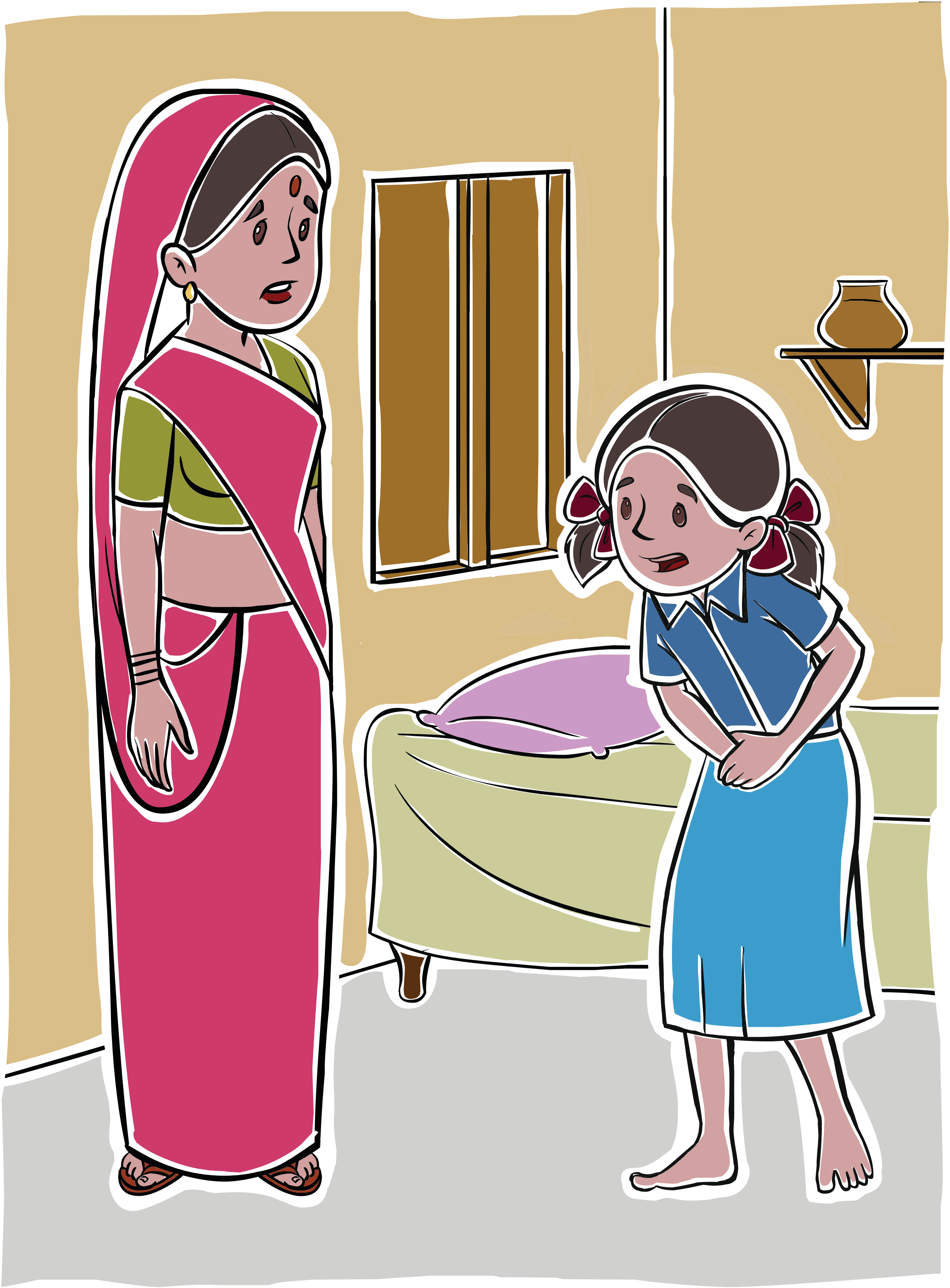
हैंडआउट



गाँव के दूसरे बच्चों की तरह
स्वाति भी खुले में शौच करती है।

यह स्वाति है। गाँव के अन्य बच्चों की तरह वह:

- नंगे पैर खेलती व घूमती है
- बिना हाथ धोए खाना खाती है
- खुले में शौच करती है
- शौच करने के बाद हाथ नहीं धोती है
- फल व सब्ज़ियाँ बिना धोए खाती है
- खाने को ढक कर नहीं रखती जिससे खाना दूषित हो सकता है



स्वाति अक्सर बीमार रहती है। दस्त और कमजोरी
के कारण स्वाति स्कूल भी नहीं जा पाती।

अक्सर स्वाति को यह लक्षण महसूस होते है:

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- बेचैनी
- पेट में दर्द, मितली, उल्टी, दस्त
- भूख न लगना
- थकान
- वज़न में कमी

ये सारे लक्षण कृमि संक्रमण के कारण हो सकते है
- कृमि यानी आंत के कीड़े।

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते हैं और विकसित होते हैं।



3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडे व लार्वा रहते हैं और बच्चों के स्वास्थ्य पर हानि पहुँचाते हैं।

2 अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढका हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

कृमि संक्रमण चक्र

→ निर्देश: टीचर को हैंडआउट खोलने के लिए कहें

कृमि क्या हैं?

- कृमि परजीवी होते हैं, जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं। कृमि मानव शरीर के ज़रूरी पोषक तत्व को खाते हैं जिनसे मनुष्य में खून की कमी, कुपोषण और वृद्धि में रुकावट होती है।
- कृमि आम तौर पर 3 प्रकार के होते हैं:
 - राउंड कृमि • व्हिप कृमि • हुक कृमि

→ निर्देश: हैंडआउट में दिए गए चित्र को देखने के लिए कहें

कृमि संक्रमण चक्र:

→ हैंडआउट में दिए गए संक्रमण चक्र पर ध्यान देने के लिए कहें और इसके माध्यम से कृमि संक्रमण चक्र को समझाएँ

- कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे।
- हल्के संक्रमण वाले बच्चों को आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते पर उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- तीव्र संक्रमण से कई लक्षण होते हैं जैसे कमज़ोरी, भूख न लगना, खून की कमी व कुपोषण।

निर्देश: पहले बताए लक्षण के साथ-साथ कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिसके कारण भविष्य में उनकी कार्यक्षमता और औसत आय में कमी आ सकती है।

अध्ययन दर्शाता है कि स्कूल में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम करने से बच्चों की अनुपस्थिति में 25% की कमी आती है



कृमि नियंत्रण कार्यक्रम

- कृमि से संक्रमित करोड़ों बच्चों के इलाज का सबसे आसान तरीका है कृमि नियंत्रण की दवाई देना।
- एल्बेंडाजॉल (400mg) बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है।
- यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।



बच्चों पर कृमि नियंत्रण के फायदे:

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ

आयु अनुसार खुराक:

उम्र	एल्बेंडाजॉल (चबाने वाली गोली)
6 से 19 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (पूरी गोली)



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और
मॉप-अप दिवस

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस **10 सितम्बर 2016** को मनाया जायेगा।
- इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।
- इस दिन स्कूल व आंगनवाड़ी के माध्यम से 1–19 साल के सभी नामांकित, पंजीकृत, गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को एल्बेंडाजॉल निःशुल्क खिलाई जाएगी।
- आंगनवाड़ी में 1–5 साल के सभी पंजीकृत और गैर-पंजीकृत बच्चों और 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा दवाई दी जाएगी।
- स्कूल में 6–19 साल के सभी नामांकित बच्चों को टीचर द्वारा दवाई दी जाएगी।
- स्कूल और आंगनवाड़ी में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की मदद से एक ही दिन में अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचा जा सकता है।
- जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर अनुपस्थिति या बीमारी के कारण छूट गए हैं, उन्हें यह दवाई **17 सितम्बर 2016** मॉप-अप दिवस पर दें।
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आशा नज़दीकी आंगनवाड़ी पर कृमि नियंत्रण दवाई के लिए लाएं।



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लिए
आपकी ज़िम्मेदारियाँ

स्कूल आधारित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लाभ

1. स्कूल-

- बड़ी संख्या में बच्चों को सुरक्षित ढंग से कृमि नियंत्रण की दवाई देने का एक बढ़िया अवसर और मंच मिलता है।
- कार्यक्रम को एक ही दिन में अधिक बच्चों तक पहुँचाने के योग्य बनाते हैं क्योंकि अधिक लक्षित किए बच्चे स्कूल में मौजूद होते हैं।

2. टीचर-

- टीचर यह दवाई देने के लिए एक अनमोल स्रोत हैं।
- वे बच्चों और माता-पिता को शिक्षित कर सकते हैं क्योंकि समुदाय में उनका काफी सम्मान होता है और उन पर भरोसा किया जाता है।

कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए टीचर की कुछ सामान्य ज़िम्मेदारियाँ हैं जो उन्हें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले, कृमि मुक्ति दिवस दिन और उसके बाद पूरी करनी होती हैं

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

1. आपके स्कूल में सभी बच्चों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध करें
2. ए.एन.एम और स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें और उनका फोन नम्बर संभाल कर रखें
3. अपनी कक्षा में बच्चों को इस कार्यक्रम के बारे में पहले से सुबह होने वाली असेम्बली में और कक्षा में पढ़ाते समय यह जानकारी दें। सुनिश्चित करें कि इस दिन सारे बच्चे उपस्थित रहें
4. आपके पास राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले निम्नलिखित सामग्री हो:
 - उपस्थिति रिजिस्टर
 - रिपोर्टिंग फॉर्म
5. अपने स्कूल के अन्य सभी टीचर को डिवर्मिंग कार्यक्रम के बारे में संपूर्ण जानकारी/प्रशिक्षण दें और सभी आवश्यक सामग्री जैसे दवाई इत्यादि दें।
6. पोस्टर बैनर आदि आइ ई सी को सही तरीके से लगायें ताकि सभी उसे पढ़ पायें
7. माता-पिता को नेशनल डिवर्मिंग डे की तिथि अवश्य बतायें ताकि वे अपने बच्चों को



सामुदायिक जागरूकता में
आपकी अहम भूमिका

- 
- समुदाय को बच्चों के स्वास्थ्य पर कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताएं।
 - समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में बताएं।
 - सुबह होने वाली असेम्बली में, और कक्षा में पढ़ाते समय बच्चों को यह जानकारी दें।
 - टीचर के साथ होने वाली माता-पिता की मीटिंग में यह संदेश जरूर दें और उन्हें जागरूक करें।
 - कृमि मुक्ति दिवस के लाभ और कृमि संक्रमण की रोकथाम के तरीकों के बारे में बच्चों और माता-पिता को अवगत करायें।
 - बच्चों व माता-पिता को सूचित करें कि भिन्न स्रोतों से इस कार्यक्रम के बारे में प्रचार किया जा रहा है जैसे अखबार, टीवी, रेडियो इत्यादि।



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर:

- सुनिश्चित करें कि आपके आसपास आवश्यक सुविधाएं जरूर हों जैसे:

- पीने का साफ पानी • पीने के लिए गिलास • उपस्थिति रिजिस्टर • दवाई चूरा करने के लिए चम्मच • आपातकालीन फोन नंबर

- एल्वेडोजॉल दवाई देने का सही तरीका:

- 6–19 साल के बच्चों के लिए 1 पूरी गोली दें।
- गोली का सेवन खाली पेट भी किया जा सकता है।

क्या करें?	क्या न करें?
• सांस में अवरोध से बचने के लिए हमेशा बच्चों को दवाई चबाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें • टीचर अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलायें	• जो बच्चा बीमार है या अन्य कोई दवाई ले रहा है, उन्हें यह दवाई ना दें • बिना चबाए दवाई गटकने के लिए बच्चों से ना कहें • दवाई को घर ना ले जाने दें

- स्कूल में प्रतिकूल घटना (साइड इफेक्ट्स) होने पर क्या करें?

- यह दवाई बच्चों और बड़ों दोनों के लिए सुरक्षित है।
 - जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली लक्षण जैसे-जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
 - यह साइड इफेक्ट्स अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से स्कूल में संभालें जा सकते हैं।
 - ऐसी स्थिति में बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएँ। उसे पीने का साफ पानी दें और बच्चे को निगरानी में रखें।
- एल्वेडोजॉल आसानी से चबाने वाली गोली है – फिर भी अगर गोली का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे गोली निकल जाए।
- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए **108** नम्बर पर फोन करें।



रिकॉर्डिंग



रिपोर्टिंग

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म			
*नीचे दिये गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।			
कृपया सभी खाली बॉक्स भरें एवं कोई कॉलम खाली न छोड़ें।			
राज्य	उप-केन्द्र का नाम	ज़िला का नाम	
ब्लॉक का नाम		ग्राम/नगर का नाम	
स्कूल का नाम		स्कूल का DISE कोड	
स्कूल का प्रकार	सरकारी/सरकारी अनुदान: ☐	निजी/प्राइवेट ☐	
क्या आपके स्कूल से किसी ने डिवायर्स की प्रशिक्षण में भाग लिया था? (हाँ/नहीं)			
एल्वेडॉजोल कवरेज	लड़कियाँ	लड़के	कुल
स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या (6-19 साल)			(A)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1-5) जिन्हें कृमि-मुक्ति दिवस एल्वेडॉजोल की दवाई दी गई			(1)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1-5) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्वेडॉजोल की दवाई दी गई			(2)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6-12) जिन्हें कृमि-मुक्ति दिवस पर एल्वेडॉजोल की दवाई दी गई			(3)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6-12) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्वेडॉजोल की दवाई दी गई			(4)
कोई अन्य			
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्वेडॉजोल की दवाई दी गई $B=(1+2+3+4)$		(B)	
स्कूल द्वारा सूचित कुल गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारूप प्रस्तुत करें)			
लॉजिस्टिक विवरण			
स्कूल को प्राप्त एल्वेडॉजोल गोलियों की कुल संख्या			
स्कूल द्वारा बच्चों को खिलाई गयी एल्वेडॉजोल की गोलियों की कुल संख्या (कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस)			
स्कूल के पास बची एल्वेडॉजोल गोलियों की कुल संख्या			
हस्ताक्षरकर्ता का नाम (स्कूल हेडमास्टर)			
हस्ताक्षर (स्कूल हेडमास्टर)			
फॉर्म जमा करने की तिथि			
हेडमास्टर का फोन नम्बर			
किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य कार्यालय (नाम: फोन न.) से संपर्क कर सकते हैं।			
स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म ---अगस्त 2016 तक ANM के पास जमा करें			
ANM सभी स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर ---अगस्त तक जमा करें			
रिकॉर्ड और सत्यापन (वैरिफिकेशन) के लिए हेडमास्टर इस फॉर्म को दो कॉपी बनाये एक कॉपी ए एन एम को जमा करें और दूसरी कॉपी स्कूल में रखें।			

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए सही तरीके और समय पर रिपोर्ट करने में आपकी अहम भूमिका!

1.रिकॉर्डिंग

अगस्त

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चों के नाम के आगे एक सही (✓) का एक निशान लगाएं।
- मॉप अप दिवस पर दवाई देने के बाद अरजिस्टर पर दो सही (✓✓) के निशान लगाएं।

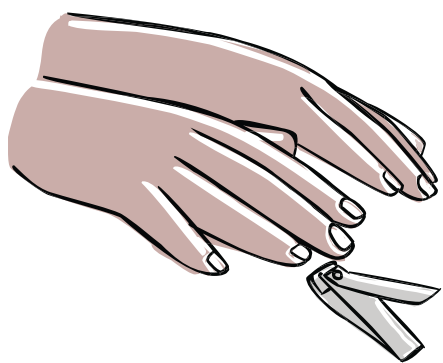
→ निर्देश: हैण्डआउट के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को अलग करने को कहें, उसे भरने के लिए विस्तार में समझायें।

2. रिपोर्टिंग

- प्रत्येक टीचर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर और मॉप अप दिवस की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हेडमास्टर को रिपोर्ट करें।
- हेडमास्टर बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि संख्या की सही गिनती की गई है । इसमें अपने स्कूल के किसी एक टीचर से आकड़ों की गणना अवश्य करायें।
- हेडमास्टर सभी वर्गों के आकड़ों को स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म में भर कर 22 सितम्बर 2016 तक में निर्धारित व्यक्ति को दे।
- रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी अपने स्कूल पर संभाल कर रखें।

→ (निर्देश: प्रशिक्षक साथ दिए रिपोर्टिंग की गाइडलाइन के बारे में विस्तार में बतायें)

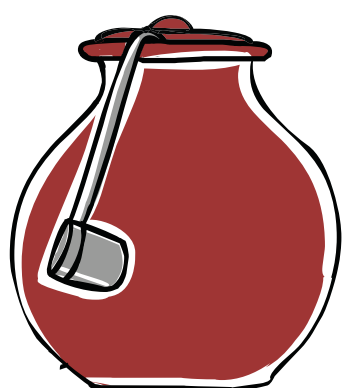
नाखून साफ
और छोटे रखें



आस पास
सफाई रखें



हमेशा साफ
पानी पीएँ



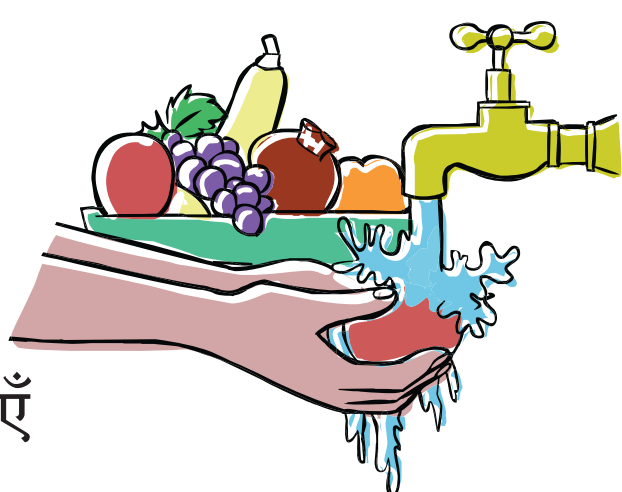
खाने को ढक
कर रखें



जूते पहनें



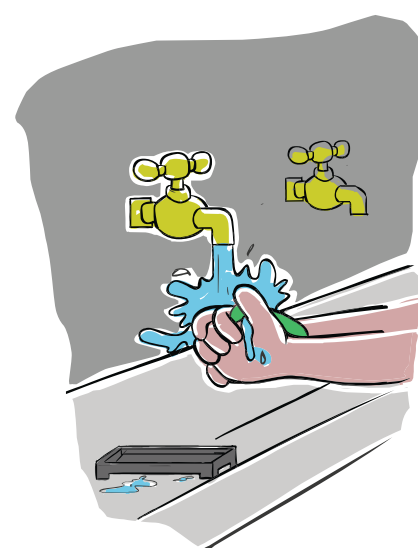
साफ पानी
से फल व
सब्जियाँ धोएँ



खुले में शौच न
करें, हमेशा शौचालय
का प्रयोग करें



अपने हाथ साबुन से
धोएँ, विशेषकर खाने
से पहले और शौच
जाने के बाद



कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

स्वाति अब स्वस्थ महसूस करती है।

कृमि नियंत्रण के साथ-साथ स्वाति और समुदाय को इन महत्वपूर्ण बातों के बारे में जरूर बतायें:

- घर, आंगन व आसपास सफाई रखें
- जूते पहनें
- खुले में शौच न करें, शौचालय का प्रयोग करें
- अपने हाथ साबुन से अवश्य धोएँ, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद
- साफ पानी से फल व सब्जियाँ धोएँ
- खाने को ढक कर रखें
- हमेशा साफ पानी पीएँ
- नाखून साफ और छोटे रखें

सभी टीचर्स को एकसाथ राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लिए प्रोत्साहित करें और सब मिलकर कहें

कृमि से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा





याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस **10 सितम्बर 2016**

मॉप-अप दिवस **17 सितम्बर 2016**

स्कूल रिपोर्टिंग फार्म जमा करने की अंतिम तिथि **22 सितम्बर 2016**